रजि. नं. 144/जयपुर/2008-09

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रुपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

www.svmmcollege.in

Unit Wise

Notes

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
रूपनगढ़ (अजमेर) राज.

रजि. नं. 144/जयपुर/2008-09

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

बी.ए. तृतीय वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र : भारत का भूगोल

UNIT = 1

** भारत, दक्षिणी एवं दक्षिणी पूर्वी एशिया के सम्बन्ध में **

- भारत का नामकरण
- पौराणिक द्वीपो मे भारत की स्थिति
- भौगोलिक स्वरूप का विकास
- राजनीतिक स्वरूप का विकास
- सांस्कृतिक स्वरूप का विकास

⇒ भारत के सांस्कृतिक प्रदेश -

1. कश्मीर सांस्कृतिक प्रदेश
2. उत्तरी-पूर्वी सीमांत जनजातीय क्षेत्र या पूर्वांचल
3. असम घाटी
4. पश्चिमी बंगाल सांस्कृतिक प्रदेश
5. मध्यवर्ती भारत सांस्कृतिक प्रदेश
6. पंजाब सांस्कृतिक प्रदेश
7. शुष्क पश्चिमी "
8. मालाबार तटीय "
9. कोरोमण्डल "
10. आन्तरिक दक्षिणी सांस्कृतिक प्रदेश
11. द्वीप समूह

रजि. नं. 144/जयपुर/2008-09
मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

☆ विविधता में एकता ⇒ (1) भौगोलिक संरचना सम्बन्धी विविधता
(2) जलवायु " "
(3) जैविक सम्पदा " "
(4) सांस्कृतिक विविधता
(5) आर्थिक क्रियाओं में विविधता

* * भारत का भौतिक स्वरूप * *
Physical Features

(1) हिमालय पर्वत समूह
- शिवालिक
- लघु हिमालय
- वृहद् हिमालय
- ट्रांस हिमालय

(2) उत्तर भारत का मैदान
- भाबर
- तराई
- बांगर
- खादर

(3) प्रायद्वीपीय पठार
- अरावली पर्वत श्रेणी
- मालवा का पठार
- बुन्देलखण्ड का पठार
- बघेलखण्ड का पठार
- विन्ध्यन उच्चभूमि
- छोटा नागपुर का पठार
- दक्कन का पठार
- कर्नाटक या मैसूर का पठार
- पश्चिमी घाट
- पूर्वी घाट
- शिलांग का पठार

(4) तटीय मैदान एवं द्वीप समूह
- पूर्वी तट
- पश्चिमी तटीय मैदान

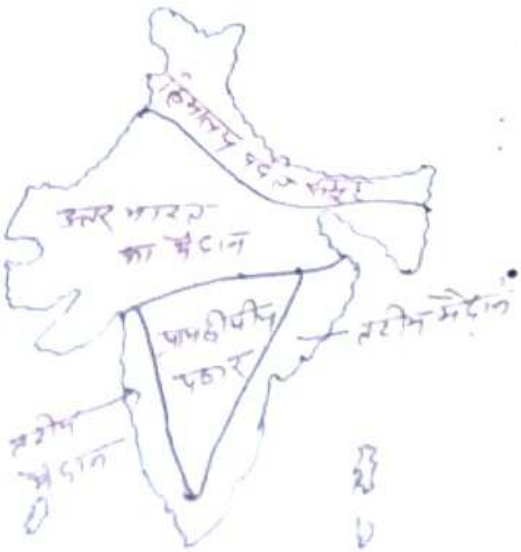

मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एजुकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर - 305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

UNIT-2

* भारत में कृषि *

भारत में उत्पादित फसलों को जलवायु के अनुसार तीन भागो में विभाजित किया गया है →

1. रबी की फसल
2. खरीफ की फसल
3. जायद की फसल

▲ उपयोग के आधार पर विभाजन.

1. खाद्यान्न या धान्य फसलें
2. औद्योगिक फसलें
3. व्यावसायिक या बागाती फसलें

1. खाद्यान्न फसलें ⇒ गेहूँ, जौ, चावल, बाजरा, मक्का, दालें
2. औद्योगिक फसलें ⇒ कपास, गन्ना, जूट, तिलहन, तम्बाकू
3. व्यावसायिक फसलें ⇒ रबड़, चाय, कहवा, कोको, गर्म मसाले, सिनकोना

गेहूं

- गेहूं उत्पादन की भौगोलिक परिस्थितियाँ → तापमान, वर्षा, मिट्टी, अन्य कारक

- भारत में गेहूं उत्पादन का वितरण → उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार
  - अन्य उत्पादक राज्य

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रुपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एजुकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रुपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

चावल

* चावल उत्पादन की भौगोलिक परिस्थितियाँ
  तापमान, वर्षा, मिट्टी, खाद

* चावल की विभिन्न फसलो के प्रकार ⇒
  (1) मैदानी चावल
  (2) पहाड़ी एवं पठारी-चावल — (i) अमन या अगहनी
  (ii) ओस
  (iii) बोरो

☆ खेतों में चावल के बीजो के बोने के आधार पर विभाजन -
  (i) छिटकवा या बिखेरकर
  (ii) रोपण या आरोपण विधि
  (iii) हल चलाकर

* भारत में चावल उत्पादक क्षेत्र - पश्चिमी बंगाल, उत्तरप्रदेश
  पंजाब, तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश बिहार
  उड़ीसा, मध्यप्रदेश, असम, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड
  छत्तीसगढ़, झारखण्ड, केरल, कर्नाटक

पशुपालन एवं मत्स्य व्यवसाय

Animal Rearing. पशुपालन

गाय-बैल - भारत में मवेशियों को तीन वर्गों में रखा जाता है →
  1) दुधारू नस्लें (milk Breeds)
  2) भारवाहक नस्लें (Draught Breeds)
  3) सामान्य नस्लें (Normal Breeds)

रजि. नं. 144/जयपुर/2008-09 मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर - 305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

* भारत में गायों की मुख्य नस्लें → ① गिर ② कांकरेज ③ देवनी
④ खेरागढ़ी ⑤ मेवाती ⑥ निमाड़ी ⑦ थारपारकर
⑧ साहीवाल ⑨ सिंधि

भैंस → नस्लें → 1. जाफराबादी 2. मुर्रा 3. भदावरी

* मवेशी एवं भैंस विकास
- केन्द्रीय मवेशी प्रजनन फार्म
- बढ़िया विदेशी नस्लों का आयात

* दुग्ध व्यवसाय (Dairying)

मत्स्यपालन
Fisheries

- मत्स्य उत्पादन
- मत्स्य उत्पादक क्षेत्र → समुद्री मछली उत्पादक क्षेत्र
→ आन्तरिक मछली उत्पादक क्षेत्र

- मत्स्य उद्योग के पिछड़ेपन के कारण
- मत्स्य विकास कार्यक्रम
- नीली क्रांति

* संसाधन Resources *

☆ खनिजों का विवरण ⇒

लोहांश मात्रा के अनुसार विभाजन ⇒
1. मेग्नेटाइट
2. हैमेटाइट
3. लिमोनाइट
4. सिडेराइट
5. पेरेराइट

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रुपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एजुकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रुपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

- भारत में लौह अयस्क के भण्डार एवं उत्पादन - उड़ीसा, छत्तीसगढ़ गोवा, झारखण्ड, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु राजस्थान

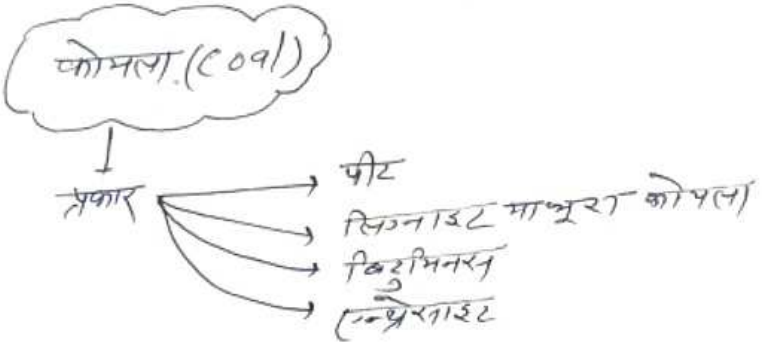

* कोयला वितरण - गोंडवाना कोयला उत्पादक क्षेत्र

1. गोदावरी नदी घाटी कोयला क्षेत्र
2. महानदी घाटी कोयला क्षेत्र
3. दामोदर नदी घाटी कोयला क्षेत्र
4. सोन नदी घाटी कोयला क्षेत्र
5. वर्धा घाटी कोयला क्षेत्र
6. सतपुड़ा कोयला उत्पादक क्षेत्र
7. छत्तीसगढ़ कोयला क्षेत्र

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एजूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

- टरशियरी युगीन कोयला उत्पादक क्षेत्र ⇒ पश्चिमी बंगाल, अरुणाचल प्रदेश असम, मेघालय
- लिग्नाइट कोयला क्षेत्र - तमिलनाडु, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर
- विश्व व्यापार

* * औद्योगिक प्रदेश * *

Industrial Regions

देश के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश

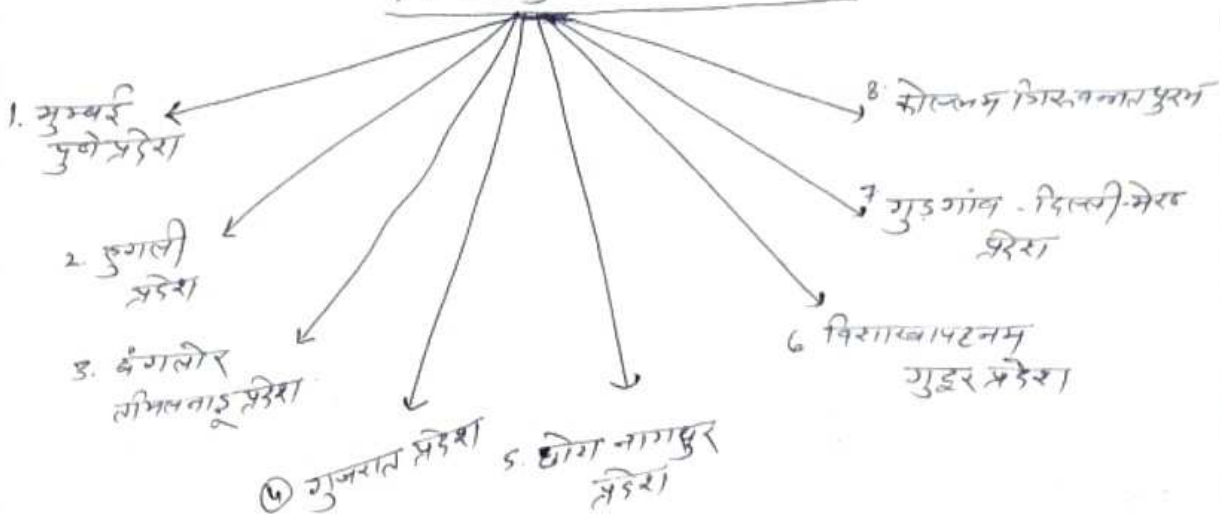

भारत के औद्योगिक प्रदेश

रजि. नं. 141/अजमेर/2008-09 मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर - 305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

UNIT = 3

जनसंख्या विस्फोट (population Explosion)

कारण →

1. तीव्र जनसंख्या वृद्धि
2. जनसंख्या का विषम वितरण
3. जनसंख्या स्थानान्तरण
4. प्राकृतिक संसाधनों का अतिदोहन
5. औद्योगिकीकरण एवं नगरीयकरण
6. अन्य कारण

★ जनसंख्या विस्फोट से उत्पन्न समस्याएँ =)

1. खाद्यान्न कमी
2. प्रदूषण को बढ़ावा
3. आर्थिक दबाव
4. औद्योगिक समस्याएँ उत्पन्न
5. आवास की कमी
6. भौतिक दबाव

(जनसंख्या)

★ जनसंख्या वृद्धि के इतिहास को तीन रंगमंचिक खण्डों में विभाजन =)

1) स्थिर जनसंख्या
2) धीमी गति से बढ़ती जनसंख्या
3) तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या

★ जनसंख्या वितरण व घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक ⇒

1. धरातल
2. जलवायु
3. जल की उपलब्धता
4. मृदा
5. खनिज संसाधन
6. यातायात के साधन
7. कृषि उत्पादकता
8. सामाजिक कारक
9. राजनैतिक एवं आर्थिक कारक

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रुपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एजुकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रुपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

Density of population जनसंख्या घनत्व - 'जनसंख्या के स्थानिक वितरण के सम्बन्ध के अनुपात-'

- गणितीय जनसंख्या घनत्व
- आर्थिक या आँकिक घनत्व
- कार्यिक घनत्व
- कृषि घनत्व
- पोषण घनत्व

जनसंख्या घनत्व का क्षेत्रीय प्रतिरूप (Areal Pattern of Density of population)

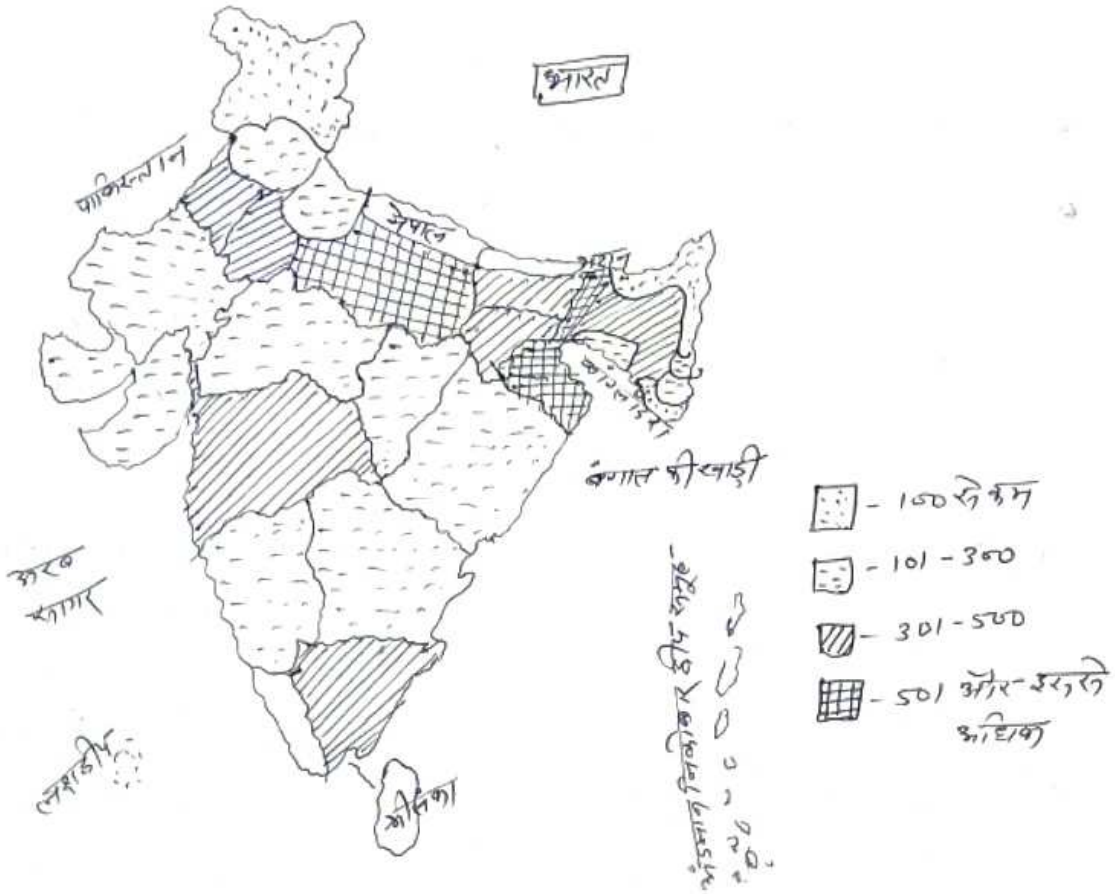

जनसंख्या घनत्व

रजि. नं. 141 जयपुर 2008-09 मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

भारत में प्रादेशिक नियोजन
Regional planning in India

◉ प्रादेशिक नियोजन की विषय वस्तु एवं क्षेत्र का विभाजन ⇒

1. → नगरीय क्षेत्रों का नियोजन
→ प्राकृतिक संसाधनों का नियोजन
→ आर्थिक विकास का नियोजन
→ सामुदायिक और मानव संसाधन नियोजन
→ पर्यावरण नियोजन

◉ प्रादेशिक नियोजन का महत्व (Importance of Regional planning)

◉ नियोजन प्रदेशों की संकल्पना – *पदानुक्रम अनुसार- तीन प्रकार का विभाजन

→ वृहद् नियोजन प्रदेश
→ मध्यम नियोजन प्रदेश
→ लघु नियोजन प्रदेश

* प्रशासनिक दृष्टि से भारत में नियोजन प्रदेश ⇒ ① प्रशासनिक प्रदेश
② संसाधन विकास प्रदेश
③ महानगरीय प्रदेश
④ संक्रमण मेखला

* सरकार का प्रादेशिक नियोजन में योगदान – ① भारत का योजना आयोग
② राष्ट्रीय मानचित्रावली संगठन
③ भारतीय सांख्यिकीय संस्थान
④ भारत के महापंजीयक कार्यालय
⑤ केन्द्रीय जल तथा शक्ति आयोग
⑥ व्यावहारिक आर्थिक अन्वेषण की परिषदें
⑦ भारत सरकार का नगरीय तथा ग्राम नियोजन संगठन

रजि. नं. 144/जयपुर/2008-09 मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

* * II - paper = प्रादेशिक भूगोल * *

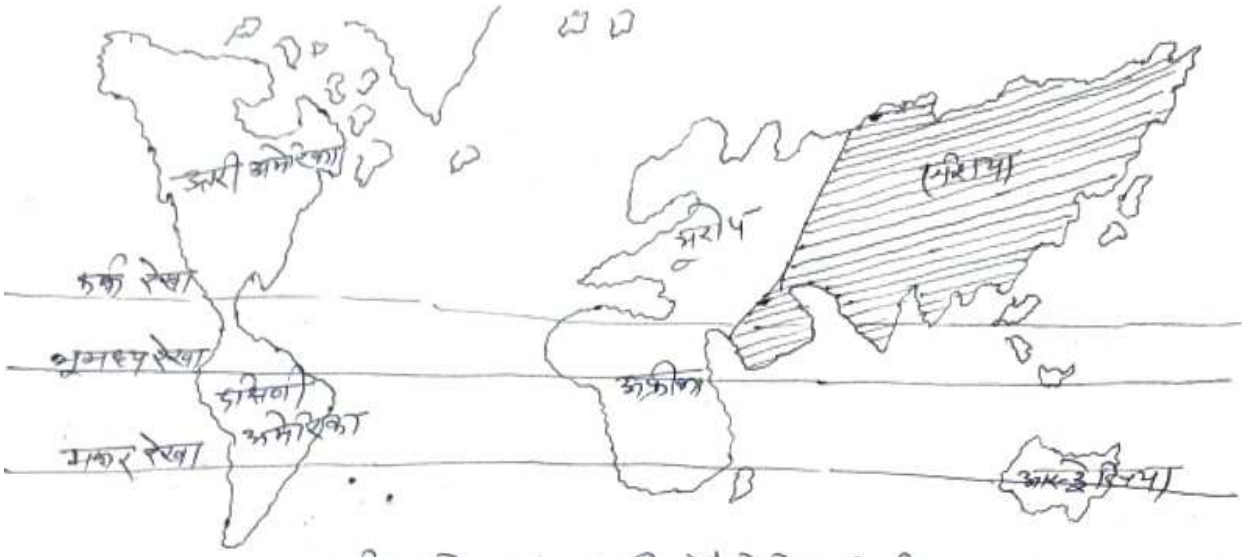

एशिया (Asia)

विश्व में एशिया की भौगोलिक स्थिति

→ विशाल महाद्वीप

→ भौगोलिक स्थिति

→ प्राकृतिक स्वरूप

→ संसाधनों का खजाना

→ इतिहास का साक्षी

→ संस्कृतियों का पालना

→ भू राजनीति के रंग

* एशिया महाद्वीप की धरातलीय संरचना *

1. नवीन मोड़दार पर्वत श्रृंखलाएँ
2. उत्तरी एशिया के प्राचीनतम पर्वत
3. दक्षिणी एशिया के प्राचीन पर्वत
4. अवशिष्ट भाग

रजि. नं. 144/जयपुर 2008-09 मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege roopangarh@gmail.com

★ एशिया महाद्वीप को उच्चावचीय (धरातलीय) दृष्टि से 5 पाँच भागों ⇒

1. उत्तरी एशिया की निम्नवत भूमि
2. मध्यवर्ती पर्वत-पठारी क्षेत्र
3. दक्षिणी प्रायद्वीपीय एशियाई पठार
4. नदियों के समतल मैदान
5. एशियाई द्वीप समूह

* एशिया : अपवाह तंत्र (Asia: Drainage Pattern

- एशियाई नदी तंत्र का विकास
- एशिया की नदियों को 5 वृहद् भागों में बाँटा ⇒

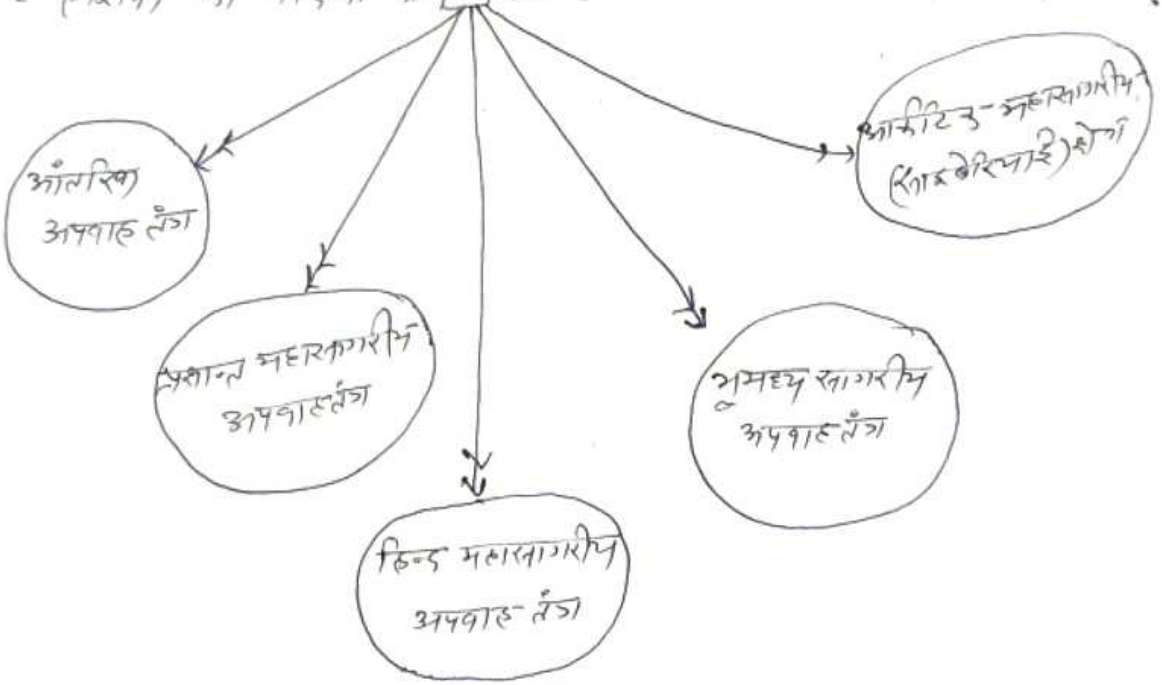

एशिया की जलवायु - Asia-climate

★ जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक ⇒ 1. एशिया महाद्वीप की विशालता
2. अंक्षाशीय विस्तार
3. मध्यवर्ती उच्चभूमि व पर्वत श्रेणियों का प्रभाव
4. जलवायु
5. सागर एवं महासागर

रजि. नं. 144/जयपुर/2004-05
मोबाइल : 9314618091
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ
(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

⊙ जलवायु दशाएँ
→ 1. ग्रीष्म ऋतु (वायुदाब, वायु की दशाएं वर्षा)
→ 2. तापमान
शीतऋतु (तापमान, वायुदाब, वायु दशाएं

⊙ एशिया के जलवायु विभाग -
1. व्लादिमीर कोपेन का जलवायु विभाग वर्गीकरण
2. थार्नथ्वेट का जलवायु वर्गीकरण
3. स्टाम्प जलवायु वर्गीकरण

☆ एशिया की प्राकृतिक वनस्पति को अनेक भागो का विभाजन =>
तीन प्रकार के वन
1. कोणधारी वन
2. चौड़ी पत्ती वाले पतझड़ वन
3. चौड़ी पत्ती वाले सदाबहार वन

☆ एशिया के वानस्पतिक प्रदेश (Vegetation Regions of Asia)
12 वानस्पतिक विभाग
1. टुण्ड्रा वनस्पति
2. टैगा वनस्पति
3. गर्म मरुस्थली वनस्पति
4 स्टेपी घास के मैदान
5 भूमध्य सागरीय वनस्पति
6 मिश्रित वनस्पति
7 कोणधारी वनस्पति
8 शुष्क घास के मैदान
9 पर्वतीय वनस्पति
10 कंटीली झाड़ियां
11 मानसूनी वन
12 सदाबहार वन

मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एजूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ, अजमेर-305814
E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

एशिया : मृदा संसाधन
Asia : Soil Resource

* मृदा निर्माण या मृदा जनन की प्रक्रिया निम्न कारक :→

1.) जनक पदार्थ (मूल पदार्थ)
2) उच्चावच (भू-आकृतिक घटक)
3) जलवायु
4) प्राकृतिक वनस्पति एवं प्राणी
5) आयु या समय घटक

मृदा का वर्गीकरण

एशिया महाद्वीप में पाई जाने वाली मिट्टियों को निम्नांकित भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है =)

① टुण्ड्रा मिट्टी
② पोडजोल मिट्टी
③ चरनोजम
④ काली मिट्टी
⑤ जलोढ़ मिट्टी
⑥ लेटाजोलिक
⑦ पॉडजाल लेटोजोलिक मृदा
⑧ पॉडजोलिक मृदा
⑨ मरुस्थलीय मृदा
⑩ पर्वतीय मिट्टी